# वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश




# समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

## दिनांक: 13 अक्टूबर 2026

## प्रस्तुति: मीडिया सेल

दैनिक जागरण

# पूविवि परीक्षा कार्यक्रम को तैयार करेगी पांच सदस्यीय समिति

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों की सत्र 2026-27 की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है।परीक्षाओं का कार्यक्रम तैयार करने के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की गई है। समिति की बैठक मंगलवार को अपराह्न दो बजे उप कुलसचिव कक्ष में निर्धारित की गई है।

परीक्षा नियंत्रक डा. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार, कुलपति के 12 अक्टूबर के आदेश के अनुपालन में समिति का गठन किया गया है।समिति को विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है।समिति में प्रबंध अध्ययन संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. अविनाश पार्थडीकर को शामिल किया गया है। टीडी कालेज, भौतिकी विभाग के प्रो. अमित श्रीवास्तव और वाणिज्य विभाग के डॉ. विशाल सिंह सदस्य बनाए गए हैं। मोहम्मद हसन कालेज, जौनपुर के मनोविज्ञान विभाग की डा. ममता सिंह तथा विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के श्री उत्तम चौबे भी समिति में शामिल हैं।

स्वतंत्र एकता जागरण

# सुर, ताल के साथ पीयू में 'सांस्कृतिक संध्या' ने बिखेरे रंग

**विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को मंच देने का संकल्पः प्रो. राकेश कुमार सिंह**

स्वतंत्र एकता जागरण



**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम सुरों, तालों और अभिनय की अनूठी महफिल सजी। नवरात्र के पावन प्रारंभ के अवसर पर आयोजित 'सांस्कृतिक संध्या' ने परिसर को भक्ति, संगीत और उत्सव के रंगों से भर दिया। देवी गीतों की मधुर प्रस्तुति से शुरू हुए कार्यक्रम ने उपस्थित श्रोताओं को आध्यात्मिक वातावरण में बांध लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में देवी गीत की प्रस्तुति ने नवरात्र के पहले दिन की पवित्रता को और गहराई दी। इसके बाद विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गायन, वादन, लोकनृत्य तथा एकल एवं सामूहिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा। विश्वास के गीत 'तू ही मुझको बता दे' और 'चाहूं मैं या ना' की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, जबकि अर्जुन के गिटार वादन और अनुष्का के आकर्षक घूमर नृत्य पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में असीम संभावनाएं और कलात्मक क्षमता मौजूद है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होती; संगीत, साहित्य, नृत्य और लोक संस्कृति विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को संवेदनशील, सृजनात्मक और आत्मविश्वासी बनाते हैं। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के कलात्मक पक्ष को निखारने और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ऐसे आयोजन निरंतर करता रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिभा के साथ-साथ अनुशासन, मेहनत और संस्कारों को अपनी पहचान बनाने का आह्वान किया। सांस्कृतिक संध्या का विशेष आकर्षण पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह की प्रस्तुति रही। उन्होंने अपने म्यूज़िक एल्बम के चर्चित गीतों को गाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। टीडी कॉलेज जौनपुर के संगीत शिक्षक डॉ. नरेंद्र पाठक ने भी अपने गीतों के माध्यम से कार्यक्रम को संगीतमय और भावपूर्ण बनाया। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख और छात्रा ईशिका सिंह ने किया। ईशिका सिंह के शायराना अंदाज में किए गए संचालन ने कार्यक्रम में जोश और सौंदर्य का अनूठा संगम भर दिया। उनके शब्दों ने प्रस्तुतियों के बीच सेतु का काम किया और दर्शकों का उत्साह बना रहा। कार्यक्रम के दौरान एकलव्य स्टेडियम में तालियों की गूंज बनी रही। विद्यार्थियों की ऊर्जा, अतिथियों की मधुर प्रस्तुतियों और नवरात्र की भक्ति-भावना ने इस सांस्कृतिक संध्या को एक स्मरणीय उत्सव बना दिया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. अन्नू त्यागी, रजनीश सिंह तथा डॉ. कृष्णा सिंह समेत भारी संख्या में शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, परिसरवासी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

**दैनिक जागरण आईनेक्स्ट**

Varanasi, Tuesday, 13 October 2026
जौनपुर संस्करण
Price ₹ 3.50/-
Pages 16

# दैनिक जागरण

www.inextlive.com Published from VARANASI
Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Kanpur • Lucknow • Meerut • Patna • Prayagraj • Ranchi

SEE PG-14

Only at ₹3.50 daily



'बिम्सटेक की मेजवानी करेगा भारत' › 13
अलकराज पर भारी पड़े जिजू बग्र्स › 15

inext DYNAMIC EDITION

#BlogAmmaDay #BCYemagopal #KarnatakaCM

max 32.1°C min 20.4°C

SENSEX 72,382.47 ▲ 472.77
$DOLLAR ₹ 86.30 ▲ 0.05

**कार्यक्रम** सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप का आयोजन

# ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विद्यार्थी: कुलपति

**सेंसर, सही योजना से बढ़ेगी ड्रोन की उड़ान अवधि: डॉ. कल्पना**

**जौनपुर (12 अक्टूबर):** पूर्विवि में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है. 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा. कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साह और मनोयोग के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे. उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे और जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे मैचों का ड्रोन से व्यापक कवरेज संभव होगा. सी-डैक, नोएडा की साइंटिस्ट 'एफ' डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को ड्रोन की उड़ान से जुड़ी तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी. उन्होंने ड्रोन के उड़ने की कार्यप्रणाली तथा उड़ान के दौरान ऊर्जा की खपत घटाने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला. डॉ. जौहरी ने सरल भाषा में समझाया कि ड्रोन की स्थिर उड़ान, दिशा नियंत्रण और संतुलन कैसे बनाए रखा जाता है. डॉ. ज्योति पी. सिंह ने बताया कि बूटकैंप सेना के विशेष प्रशिक्षण शिविर की भांति होता है, जिसमें अनुशासन, नियमित अभ्यास और प्रायोगिक कौशल पर विशेष बल दिया जाता है. कार्यक्रम में डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. दिवेन्दु मिश्रा, सुधीर सिंह, पूनम सोनकर, डॉ. रीतेश वरनवाल, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष कुमार सहित अन्य समिति सदस्यों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया.

## सुर, ताल के साथ पीयू में 'सांस्कृतिक संध्या' ने बिखेरे रंग

**जौनपुर :** पूर्विवि के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम सुरों, तालों और अभिनय की अनूठी महफिल सजी. नवरात्र के पावन प्रारंभ के अवसर पर आयोजित 'सांस्कृतिक संध्या' ने परिसर को भक्ति, संगीत और उत्सव के रंगों से भर दिया. देवी गीतों की मधुर प्रस्तुति से शुरू हुए कार्यक्रम ने उपस्थित श्रोताओं को आध्यात्मिक वातावरण में बांध लिया. कार्यक्रम की शुरुआत में देवी गीत की प्रस्तुति ने नवरात्र के पहले दिन की पवित्रता को और गहराई दी. इसके बाद विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गायन, वादन, लोकनृत्य तथा एकल एवं सामूहिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा. विश्वास के गीत 'तू ही मुझको बता दे' और 'चाहूं मैं या ना' की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया. कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख और छात्रा इविका सिंह ने किया. इस दौरान प्रो. अविनाश, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. राजनीश भास्कर, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. अन्नू त्यागी, रजनीश सिंह तथा डॉ. कृष्णा सिंह समेत भारी संख्या में शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी रहे.



कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति .

## पीयू, सदर, केराकत, बदलापुर का शानदार आगाज

**जौनपुर :** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार को जौनपुर प्रीमियर लीग के तहत खेले गए चार रोमांचक मुकाबलों में जौनपुर सदर, केराकत, बदलापुर और पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की. मुकाबलों में जहां बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ पारियों से दर्शकों का मनोरंजन किया, वहीं गेंदबाजों ने भी अपनी धारदार गेंदबाजी से मैच का रुख बदल दिया. दिन के सबसे चर्चित प्रदर्शन में विश्वविद्यालय के दीपक यादव ने हैट्रिक सहित पांच विकेट झटककर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई. पहले मुकाबले में जौनपुर सदर ने मल्हनी को 46 रनों से पराजित किया.

अमर उजाला

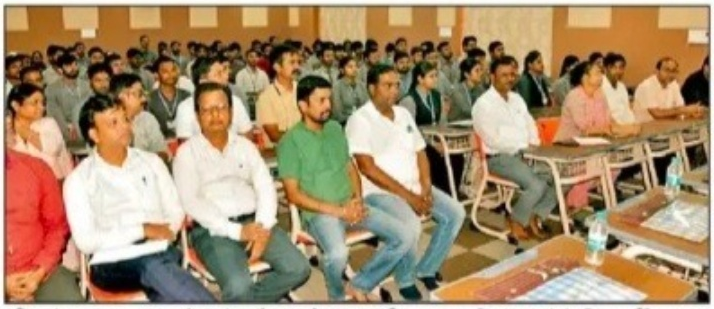
# पूविवि में ड्रोन प्रशिक्षण शुरू, सेंसर और उड़ान तकनीक की दी जाएगी जानकारी

## सीडैक के सहयोग से पांच दिवसीय बूटकैंप शुरू, सेंसर और ऊर्जा के कुशल तकनीकों का मिलेगा प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

**मल्हनी।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक में दक्ष बनाने के लिए सोमवार से पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप शुरू हुआ। सी-डैक नोएडा के सहयोग से 12 से 16 अक्तूबर तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) और सेंसर के विभिन्न अनुप्रयोगों व ड्रोन बनाने और उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण में उत्साह और मनोयोग के साथ भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन तकनीक की बारीकियों को समझ सकेंगे और इस क्षेत्र में अपनी दक्षता विकसित कर पाएंगे।



पीयू में 'स्वयान' बूटकैंप के दौरान ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण लेते विद्यार्थी। पूविवि

उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे। जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे खेल आयोजनों का ड्रोन के माध्यम से व्यापक कवरेज भी किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के समापन पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें सफल विद्यार्थियों को ही प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

सी-डैक नोएडा की साइंटिस्ट एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन की कार्यप्रणाली और उड़ान के दौरान ऊर्जा की खपत कम करने के तकनीकी उपायों की जानकारी दी। बताया कि ड्रोन की स्थिर उड़ान, दिशा नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने में सेंसर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

सही उड़ान योजना, सेंसर के प्रभावी उपयोग और ऊर्जा-कुशल तकनीकों से ड्रोन की उड़ान अवधि बढ़ाई जा सकती है। डॉ. ज्योति पी सिंह ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण शिविर में अनुशासन, नियमित अभ्यास और व्यावहारिक कौशल पर विशेष जोर दिया जाता है। इससे विद्यार्थियों को तकनीक को समझने और उसे वास्तविक परिस्थितियों में इस्तेमाल करने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम में डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. दिवेंदु मिश्रा, सुधीर सिंह, पूनम सोनकर, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. नवीन चौरसिया मौजूद रहे।

अमर उजाला

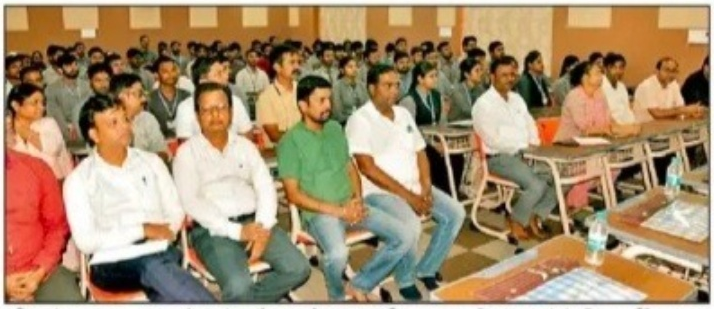
# पूविवि में ड्रोन प्रशिक्षण शुरू, सेंसर और उड़ान तकनीक की दी जाएगी जानकारी

## सीडैक के सहयोग से पांच दिवसीय बूटकैंप शुरू, सेंसर और ऊर्जा के कुशल तकनीकों का मिलेगा प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

**मल्हनी।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक में दक्ष बनाने के लिए सोमवार से पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप शुरू हुआ। सी-डैक नोएडा के सहयोग से 12 से 16 अक्तूबर तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) और सेंसर के विभिन्न अनुप्रयोगों व ड्रोन बनाने और उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण में उत्साह और मनोयोग के साथ भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन तकनीक की बारीकियों को समझ सकेंगे और इस क्षेत्र में अपनी दक्षता विकसित कर पाएंगे।



पीयू में 'स्वयान' बूटकैंप के दौरान ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण लेते विद्यार्थी। पूविवि

उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे। जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे खेल आयोजनों का ड्रोन के माध्यम से व्यापक कवरेज भी किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के समापन पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें सफल विद्यार्थियों को ही प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

सी-डैक नोएडा की साइंटिस्ट एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन की कार्यप्रणाली और उड़ान के दौरान ऊर्जा की खपत कम करने के तकनीकी उपायों की जानकारी दी। बताया कि ड्रोन की स्थिर उड़ान, दिशा नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने में सेंसर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

सही उड़ान योजना, सेंसर के प्रभावी उपयोग और ऊर्जा-कुशल तकनीकों से ड्रोन की उड़ान अवधि बढ़ाई जा सकती है। डॉ. ज्योति पी सिंह ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण शिविर में अनुशासन, नियमित अभ्यास और व्यावहारिक कौशल पर विशेष जोर दिया जाता है। इससे विद्यार्थियों को तकनीक को समझने और उसे वास्तविक परिस्थितियों में इस्तेमाल करने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम में डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. दिवेंदु मिश्रा, सुधीर सिंह, पूनम सोनकर, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजय मौर्य, डॉ. नवीन चौरसिया मौजूद रहे।

हिंदुस्तान

# पीयू, सदर, केराकत व बदलापुर अगले चक्र में

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार को जौनपुर प्रीमियर लीग के तहत खेले गए चार रोमांचक मुकाबलों में जौनपुर सदर, केराकत, बदलापुर और पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। चारों टीमें अगले चक्र में प्रवेश कर गईं। पहले मुकाबले में जौनपुर सदर की टीम ने मल्हनी को 46 रनों से पराजित किया।

हिंदुस्तान

# सुर और ताल के साथ बिखेरे संस्कृति के रंग

**प्रतिभा**

**जौनपुर, संवाददाता।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम सुरों, तालों और अभिनय की अनूठी महफिल सजी। आयोजित 'सांस्कृतिक संध्या' ने परिसर को भक्ति, संगीत और उत्सव के रंगों से भर दी। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गायन, वादन, लोकनृत्य तथा एकल एवं सामूहिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा। विश्वास के गीत 'तू ही मुझको बता दे' और 'चाहूं मैं या ना' की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, जबकि अर्जुन के गिटार वादन और अनुष्का के आकर्षक घूमर नृत्य पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में असीम संभावनाएं और कलात्मक क्षमता मौजूद है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होती; संगीत, साहित्य, नृत्य और लोक संस्कृति विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को संवेदनशील, सृजनात्मक और आत्मविश्वासी बनाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिभा के साथ-साथ अनुशासन, मेहनत और संस्कारों को अपनी पहचान बनाने का आह्वान किया। सांस्कृतिक संध्या का विशेष आकर्षण पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह ने प्रस्तुति दी। टीडी कॉलेज जौनपुर के संगीत शिक्षक डॉ. नरेंद्र पाठक ने भी अपने गीतों के माध्यम से कार्यक्रम को भावपूर्ण बनाया। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख और छात्रा ईश्विका सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. अन्नू त्यागी, रजनीश सिंह तथा डॉ.



एकलव्य स्टेडियम में संस्कृत कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

## ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे विद्यार्थी: वीसी

जौनपुर। पीयू में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। 12 से 16 अक्तूबर तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साह और मनोयोग के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। सी-डैक, नोएडा की साइंटिस्ट 'एफ' डॉ. कल्पना जौहरी ने तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी।

**आज का परिणाम**

आज का परिणाम
र 13 अक्टूबर, 2026

# सुर, ताल के साथ 'सांस्कृतिक संध्या' ने बिखेरे रंग



ब्यूरो आज का परिणाम/जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम सुरों, तालों और अभिनय की अनूठी महफिल सजी। नवरात्र के पावन प्रारंभ के अवसर पर आयोजित 'सांस्कृतिक संध्या' ने परिसर को भक्ति, संगीत और उत्सव के रंगों से भर दिया। देवी गीतों की मधुर प्रस्तुति से शुरू हुए कार्यक्रम ने उपस्थित श्रोताओं को आध्यात्मिक वातावरण में बांध लिया।कार्यक्रम की शुरुआत में देवी गीत की प्रस्तुति ने नवरात्र के पहले दिन की पवित्रता को और गहराई दी। इसके बाद विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने गायन, वादन, लोकनृत्य तथा एकल एवं सामूहिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा। विश्वास के गीत 'तू ही मुझको बता दे' और 'चाहूं मैं या ना' की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, जबकि अर्जुन के गिटार वादन और अनुष्का के आकर्षक घूमर नृत्य पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं। कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में असीम संभावनाएं और कलात्मक क्षमता मौजूद है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होतीय संगीत, साहित्य, नृत्य और लोक संस्कृति विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को संवेदनशील, सृजनात्मक और आत्मविश्वासी बनाते हैं। सांस्कृतिक संध्या का विशेष आकर्षण पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह की प्रस्तुति रही। उन्होंने अपने म्यूजिक एल्बम के चर्चित गीतों को गाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। संचालन सलमान शेख और छात्रा ईश्विका सिंह ने किया। ईश्विका सिंह के शायराना अंदाज में किए गए संचालन ने कार्यक्रम में जोश और सौंदर्य का अनूठा संगम भर दिया। उनके शब्दों ने प्रस्तुतियों के बीच सेतु का काम किया और दर्शकों का उत्साह बना रहा।

# पीयू, सदर, केराकत, बदलापुर का शानदार आगाज

## जौनपुर प्रीमियर लीग में पीयू के दीपक यादव की हैट्रिक समेत पांच विकेट झटके

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार को जौनपुर प्रीमियर लीग के तहत खेले गए चार रोमांचक मुकाबलों में जौनपुर सदर, केराकत, बदलापुर और पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। मुकाबलों में जहां बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ पारियों से दर्शकों का मनोरंजन किया, वहीं गेंदबाजों ने भी अपनी धारदार गेंदबाजी से मैच का रुख बदल दिया। दिन के सबसे चर्चित प्रदर्शन में विश्वविद्यालय के दीपक यादव ने हैट्रिक सहित पांच विकेट झटककर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई।पहले मुकाबले में जौनपुर सदर ने मल्हनी को 46 रनों से पराजित किया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जौनपुर सदर की टीम ने पांच ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 69 रन बनाए। दिव्य प्रकाश सिंह ने महज 19 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 46 रनों की विस्फोटक पारी खेली। जवाब में 70 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मल्हनी की टीम निर्धारित पांच ओवर में तीन विकेट पर 23 रन ही बना सकी। शानदार बल्लेबाजी के लिए दिव्य प्रकाश सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया।दूसरे मुकाबले में केराकत ने जफराबाद को 27 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केराकत ने दस ओवर में छह विकेट खोकर 79 रन बनाए। आयुष यादव ने 21 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जफराबाद की टीम केराकत के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और दस ओवर में 52 रनों पर ऑलआउट हो गई। शुभम मिश्रा, सुमित यादव और सूर्यश सिंह यादव ने दो–दो विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई। गेंद और बल्ले से योगदान देने वाले शुभम मिश्रा को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।तीसरे मुकाबले में बदलापुर ने मुंगराबादशाहपुर को 64 रनों से शिकस्त दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बदलापुर ने सात ओवर में तीन विकेट पर 84 रन बनाए। मनीष यादव ने 26 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 58 रनों की आक्रामक पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंगराबादशाहपुर की टीम बदलापुर के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। अंकुल यादव ने तीन विकेट और मनीष यादव ने एक विकेट लेकर विपक्षी टीम की बल्लेबाजी पर अंकुश लगाया। शानदार अर्धशतक और एक विकेट लेने के लिए मनीष यादव को मैन ऑफ द मैच चुना गया।चौथे मुकाबले में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने मछलीशहर को नौ विकेट से हराकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। पहले बल्लेबाजी करते हुए मछलीशहर की टीम सात ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर केवल 32 रन बना सकी। विश्वविद्यालय के गेंदबाज दीपक यादव ने घातक गेंदबाजी करते हुए दो ओवर में एक मेडन के साथ मात्र पांच रन देकर पांच विकेट हासिल किए। उन्होंने हैट्रिक लेकर मुकाबले को यादगार बना दिया। विश्वविद्यालय की टीम ने 33 रनों का लक्ष्य महज तीन ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। शानदार गेंदबाजी के लिए दीपक यादव को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।मैचों के समापन के बाद चारों मुकाबलों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह, शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. राहुल सिंह तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद यादव ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन और खेल भावना की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पायनियर

# ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे पीयू के विद्यार्थी: कुलपति

- सेंसर, सही योजना से बढ़ेगी ड्रोन की उड़ान अवधि: डॉ. कल्पना जौहरी



पायनियर संवाददाता। जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप का आयोजन सोमवार से किया गया है। 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साह और मनोयोग के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे और जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे मैचों का ड्रोन से व्यापक कवरेज संभव होगा। उन्होंने बताया कि बूटकैंप के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी और सफल विद्यार्थियों को ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। सी-डैक, नोएडा की साइंटिस्ट 'एफ' डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को ड्रोन की उड़ान से जुड़ी तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने ड्रोन के उड़ने की कार्यप्रणाली तथा उड़ान के दौरान ऊर्जा की खपत घटाने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. जौहरी ने सरल भाषा में समझाया कि ड्रोन की स्थिर उड़ान, दिशा नियंत्रण और संतुलन कैसे बनाए रखा जाता है।

जनसंदेश टाइम

# सुर, ताल के साथ पीयू में सांस्कृतिक संध्या ने बिखेरे रंग



सांस्कृतिक संध्या में नृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं

**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम सुरों, तालों और अभिनय की अनूठी महफिल सजी। नवरात्र के पावन प्रारंभ के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या ने परिसर को भक्ति, संगीत और उत्सव के रंगों से भर दिया। देवी गीतों की मधुर प्रस्तुति से शुरू हुए कार्यक्रम ने उपस्थित श्रोताओं को आध्यात्मिक वातावरण में बांध लिया। विश्वास के गीत तू ही मुझको बता दे और चाहूं मैं या ना की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, जबकि अर्जुन के गिटार वादन और अनुष्का के आकर्षक घूमर नृत्य पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं।

## कार्यक्रम

### विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को मंच देने का संकल्पः प्रो. राकेश कुमार सिंह

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में असीम संभावनाएं और कलात्मक क्षमता मौजूद है। सांस्कृतिक संध्या का विशेष आकर्षण पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह की प्रस्तुति रही। उन्होंने अपने म्यूज़िक एल्बम के चर्चित गीतों को गाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। टीडी कॉलेज जौनपुर के संगीत शिक्षक डॉ. नरेंद्र पाठक ने भी अपने गीतों के माध्यम से कार्यक्रम को संगीतमय और भावपूर्ण बनाया। संचालन सलमान शेख और छात्रा ईश्विका सिंह ने किया। ईश्विका सिंह के शायराना अंदाज में किए गए संचालन ने कार्यक्रम में जोश और सौंदर्य का अनूठा संगम भर दिया। विद्यार्थियों की ऊर्जा, अतिथियों की मधुर प्रस्तुतियों और नवरात्र की भक्ति-भावना ने इस सांस्कृतिक संध्या को एक स्मरणीय उत्सव बना दिया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. अन्नू त्यागी, रजनीश सिंह तथा डॉ. कृष्णा सिंह समेत भारी संख्या में शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम

# ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे पीयू के विद्यार्थी

## बोले: कुलपति

सेंसर, सही योजना से बढ़ेगी ड्रोन की उड़ान अवधिः डॉ. कल्पना जौहरी

विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप शुरू



अतिथियों का स्वागत करते कुलपति

**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे और जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे मैचों का ड्रोन से व्यापक कवरेज संभव होगा। उन्होंने बताया कि बूटकैंप के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी और सफल विद्यार्थियों को ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। सी-डैक, नोएडा की साइंटिस्ट एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को ड्रोन की उड़ान से जुड़ी तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। डॉ. जौहरी ने सरल भाषा में समझाया कि ड्रोन की स्थिर उड़ान, दिशा नियंत्रण और संतुलन कैसे बनाए रखा जाता है। उन्होंने बताया कि सही उड़ान योजना, सेंसर का प्रभावी उपयोग और ऊर्जा-कुशल तकनीकों के माध्यम से ड्रोन की उड़ान अवधि बढ़ाई जा सकती है।

डॉ. ज्योति पी. सिंह ने बताया कि बूटकैंप सेना के विशेष प्रशिक्षण शिविर की भांति होता है, जिसमें अनुशासन, नियमित अभ्यास और प्रायोगिक कौशल पर विशेष बल दिया जाता है।

# ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे पीयू के विद्यार्थी: कुलपति

- सेंसर, सही योजना से बढ़ेगी ड्रोन की उड़ान अवधि: डॉ. कल्पना
- विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप शुरू

अमर भारती ब्यूरो




**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साह और मनोयोग के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे और जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे मैचों का ड्रोन से व्यापक कवरेज संभव होगा। उन्होंने बताया कि बूटकैंप के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी और सफल विद्यार्थियों को ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

सी-डैक, नोएडा की साइंटिस्ट 'एफ' डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को ड्रोन की उड़ान से जुड़ी तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने ड्रोन के उड़ने की कार्यप्रणाली तथा उड़ान के दौरान ऊर्जा की खपत घटाने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. जौहरी ने सरल भाषा में समझाया कि ड्रोन की स्थिर उड़ान, दिशा नियंत्रण और संतुलन कैसे बनाए रखा जाता है। उन्होंने बताया कि सही उड़ान योजना, सेंसर का प्रभावी उपयोग और ऊर्जा-कुशल तकनीकों के माध्यम से ड्रोन की उड़ान अवधि बढ़ाई जा सकती है।

डॉ. ज्योति पी. सिंह ने बताया कि बूटकैंप सेना के विशेष प्रशिक्षण शिविर की भांति होता है, जिसमें अनुशासन, नियमित अभ्यास और प्रायोगिक कौशल पर विशेष बल दिया जाता है। कार्यक्रम में डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. दिवेन्दु मिश्रा, सुधीर सिंह, पूनम सोनकर, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजय मौर्य, जया शुक्ल डॉ. नवीन चौरसिया सहित अन्य समिति सदस्यों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कौटिल्य का भारत

# सुर, ताल के साथ पीयू में 'सांस्कृतिक संध्या' ने बिखेरे रंग

**विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को मंच देने का संकल्पः प्रो. राकेश कुमार सिंह**

कौटिल्य का भारत

**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम सुरों, तालों और अभिनय की अनूठी महफिल सजी। नवरात्र के पावन प्रारंभ के अवसर पर आयोजित 'सांस्कृतिक संध्या' ने परिसर को भक्ति, संगीत और उत्सव के रंगों से भर दिया। देवी गीतों की मधुर प्रस्तुति से शुरू हुए कार्यक्रम ने उपस्थित श्रोताओं को आध्यात्मिक वातावरण में बांध लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में देवी गीत की प्रस्तुति ने नवरात्र के पहले दिन की पवित्रता को और गहराई दी। इसके बाद विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गायन, वादन, लोकनृत्य तथा



एकल एवं सामूहिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा। विश्वास के गीत 'तू ही मुझको बता दे' और 'चाहूं मैं या ना' की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, जबकि अर्जुन के गिटार वादन और अनुष्का के आकर्षक घूमर नृत्य पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में असीम संभावनाएं और कलात्मक क्षमता मौजूद है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होती; संगीत, साहित्य, नृत्य और लोक संस्कृति विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को संवेदनशील, सृजनात्मक और आत्मविश्वासी बनाते हैं। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के कलात्मक पक्ष को निखारने और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ऐसे आयोजन निरंतर करता रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिभा के साथ-साथ अनुशासन, मेहनत और संस्कारों को अपनी पहचान बनाने का आह्वान किया। सांस्कृतिक संध्या का विशेष आकर्षण पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह की प्रस्तुति रही। उन्होंने अपने म्यूज़िक एल्बम के चर्चित गीतों को गाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। टीडी कॉलेज जौनपुर के संगीत शिक्षक डॉ. नरेंद्र पाठक ने भी अपने गीतों के माध्यम से कार्यक्रम को संगीतमय और भावपूर्ण बनाया। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख और छात्रा ईश्विका सिंह ने किया। ईश्विका सिंह के शायराना अंदाज में किए गए संचालन ने कार्यक्रम में जोश और सौंदर्य का अनूठा संगम भर दिया। उनके शब्दों ने प्रस्तुतियों के बीच सेतु का काम किया और दर्शकों का उत्साह बना रहा। कार्यक्रम के दौरान एकलव्य स्टेडियम में तालियों की गूंज बनी रही। विद्यार्थियों की ऊर्जा, अतिथियों की मधुर प्रस्तुतियों और नवरात्र की भक्ति-भावना ने इस सांस्कृतिक संध्या को एक स्मरणीय उत्सव बना दिया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. अन्नू त्यागी, रजनीश सिंह तथा डॉ. कृष्णा सिंह समेत भारी संख्या में शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, परिसरवासी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लोक भारती

लोक भारती

# ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे विवि के विद्यार्थीः कुलपति




जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा।कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साह और मनोयोग के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे और जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे मैचों का ड्रोन से व्यापक कवरेज संभव होगा। उन्होंने बताया कि बूटकैंप के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी और सफल विद्यार्थियों को ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। डॉ. ज्योति पी. सिंह ने बताया कि बूटकैंप सेना के विशेष प्रशिक्षण शिविर की भांति होता है, जिसमें अनुशासन, नियमित अभ्यास और प्रायोगिक कौशल पर विशेष बल दिया जाता है।

लोक भारती

# सुर, ताल के साथ 'सांस्कृतिक संध्या' ने बिखेरे रंग



जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम सुरों, तालों और अभिनय की अनूठी महफिल सजी। नवरात्र के पावन प्रारंभ के अवसर पर आयोजित 'सांस्कृतिक संध्या' ने परिसर को भक्ति, संगीत और उत्सव के रंगों से भर दिया। देवी गीतों की मधुर प्रस्तुति से शुरू हुए कार्यक्रम ने उपस्थित श्रोताओं को आध्यात्मिक वातावरण में बांध लिया।कार्यक्रम की शुरुआत में देवी गीत की प्रस्तुति ने नवरात्र के पहले दिन की पवित्रता को और गहराई दी। इसके बाद विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गायन, वादन, लोकनृत्य तथा एकल एवं सामूहिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा। विश्वास के गीत 'तू ही मुझको बता दे' और 'चाहूं मैं या ना' की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, जबकि अर्जुन के गिटार वादन और अनुष्का के आकर्षक घूमर नृत्य पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं। कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में असीम संभावनाएं और कलात्मक क्षमता मौजूद है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होतीय संगीत, साहित्य, नृत्य और लोक संस्कृति विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को संवेदनशील, सृजनात्मक और आत्मविश्वासी बनाते हैं। सांस्कृतिक संध्या का विशेष आकर्षण पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह की प्रस्तुति रही। उन्होंने अपने म्यूजिक एल्बम के चर्चित गीतों को गाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। संचालन सलमान शेख और छात्रा ईश्विका सिंह ने किया। ईश्विका सिंह के शायराना अंदाज में किए गए संचालन ने कार्यक्रम में जोश और सौंदर्य का अनूठा संगम भर दिया। उनके शब्दों ने प्रस्तुतियों के बीच सेतु का काम किया और दर्शकों का उत्साह बना रहा।

अमृत प्रभात



# ड्रोन तकनीक सीखेंगे पीयू के छात्र, सी-डैक का 5 दिवसीय स्वयान बूटकैंप शुरू

**अमृत प्रभात, जौनपुर** (नि.सं.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सी-डैक, नोएडा के सहयोग से 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक पांच दिवसीय ह्यस्वयानह्ल बूटकैंप का शुभारंभ किया गया। सोमवार को आयोजित इस प्रि-शक्षण के उद्घाटन अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि इसके माध्यम से वे ड्रोन बनाने और उड़ाने का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे, जिससे भविष्य में जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे आयोजनों का ड्रोन से व्यापक कवरेज संभव हो सकेगा। बूटकैंप के अंत में आयोजित परीक्षा में सफल रहने वाले विद्यार्थियों को ही प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। इस दौरान सी-डैक की साइंटिस्ट डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन की उड़ान प्रणाली, सेंसर के उपयोग और ऊर्जा खपत घटाकर उड़ान अवधि बढ़ाने की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। डॉ. ज्योति पी. सिंह ने इसे सेना के विशेष प्रशिक्षण शिविर के समान अनुशासित और प्रायोगिक कौशल पर आधारित बताया, जिसमें डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. दिवेन्दु मिश्रा सहित कई शिक्ष-ाक व समिति सदस्य सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

रणतुर्य

# ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे पीयू के विद्यार्थी: कुलपति

**रणतूर्य संवाददाता**
**जौनपुर**

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा।कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साह और मनोयोग के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे और जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे मैचों का ड्रोन से व्यापक कवरेज



संभव होगा। उन्होंने बताया कि बूटकैंप के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी और सफल विद्यार्थियों को ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।सी-डैक, नोएडा की साइंटिस्ट एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को ड्रोन की उड़ान से जुड़ी तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने ड्रोन के उड़ने की कार्यप्रणाली तथा उड़ान के दौरान ऊर्जा की खपत घटाने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. जौहरी ने सरल भाषा में समझाया कि ड्रोन की स्थिर उड़ान, दिशा नियंत्रण और संतुलन कैसे बनाए रखा जाता है। उन्होंने बताया कि सही उड़ान योजना, सेंसर का प्रभावी उपयोग और ऊर्जा-कुशल तकनीकों के माध्यम से ड्रोन की उड़ान अवधि बढ़ाई जा सकती है।डॉ. ज्योति पी. सिंह ने बताया कि बूटकैंप सेना के विशेष प्रशिक्षण शिविर की भाँति होता है, जिसमें अनुशासन, नियमित अभ्यास और प्रायोगिक कौशल पर विशेष बल दिया जाता है। कार्यक्रम में डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. दिवेन्दु मिश्रा, सुधीर सिंह, पूनम सोनकर, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजय मौर्य, जया शुक्ल डॉ. नवीन चौरसिया सहित अन्य समिति सदस्यों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

रणतुर्य

# सुर, ताल के साथ पीयू में सांस्कृतिक संध्या ने बिखेरे रंग

**रणतूर्य संवाददाता**
**जौनपुर**

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम सुरों, तालों और अभिनय की अनूठी महफिल सजी। नवरात्र के पावन प्रारंभ के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्य ने परिसर को भक्ति, संगीत और उत्सव के रंगों से भर दिया। देवी गीतों की मधुर प्रस्तुति से शुरू हुए कार्यक्रम ने उपस्थित श्रोताओं को आध्यात्मिक वातावरण में बांध लिया।कार्यक्रम की शुरूआत में देवी गीत की प्रस्तुति ने नवरात्र के पहले दिन की पवित्रता को और गहराई दी। इसके बाद विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गायन, वादन, लोकनृत्य तथा एकल एवं सामूहिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा। विश्वास के गीत तू ही मुझको बता दे और चाहूं मैं या ना की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, जबकि अर्जुन के गिटार वादन और अनुष्का के आकर्षक घूमर नृत्य पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में असीम संभावनाएं और कलात्मक क्षमता मौजूद है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होती; संगीत, साहित्य, नृत्य और लोक संस्कृति विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को संवेदनशील, सृजनात्मक और आत्मविश्वासी बनाते हैं।कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के कलात्मक पक्ष को निखारने और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ऐसे आयोजन निरंतर करता रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिभा के साथ-साथ अनुशासन, मेहनत और संस्कारों को अपनी पहचान बनाने का आह्वान किया।सांस्कृतिक संध्या का विशेष आकर्षण पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह की प्रस्तुति रही। उन्होंने अपने म्यूज़िक एल्बम के चर्चित गीतों को गाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। टीडी कॉलेज जौनपुर के संगीत शिक्षक डॉ. नरेंद्र पाठक ने भी अपने गीतों के माध्यम से कार्यक्रम को संगीतमय और भावपूर्ण बनाया।



कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख और छात्रा ईश्विका सिंह ने किया। ईश्विका सिंह के शायराना अंदाज में किए गए संचालन ने कार्यक्रम में जोश और सौंदर्य का अनूठा संगम भर दिया। उनके शब्दों ने प्रस्तुतियों के बीच सेतु का काम किया और दर्शकों का उत्साह बना रहा।कार्यक्रम के दौरान एकलव्य स्टेडियम में तालियों की गूंज बनी रही। विद्यार्थियों की ऊर्जा, अतिथियों की मधुर प्रस्तुतियों और नवरात्र की भक्ति-भावना ने इस सांस्कृतिक संध्या को एक स्मरणीय उत्सव बना दिया।इस अवसर पर प्रो. अविनाश, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. अन्नू त्यागी, रजनीश सिंह तथा डॉ. कृष्णा सिंह समेत भारी संख्या में शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, परिसरवासी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जौनपुर धारा

# पीयू की सांस्कृतिक संध्या में सुर, ताल और नृत्य का संगम

## कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह बोले—विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को निखारने के लिए मिलते रहेंगे बेहतर मंच

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम आयोजित सांस्कृतिक संध्या में विद्यार्थियों ने गायन, वादन और नृत्य की प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। नवरात्र के प्रारंभ पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत देवी गीत से हुई। इसके बाद छात्र-छात्राओं की एकल और सामूहिक प्रस्तुतियों ने परिसर को संगीत और उत्साह से सराबोर कर दिया।



कार्यक्रम में विश्वास ने 'तू ही मुझको बता दे' और 'चाहूं मैं या ना' गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं की सराहना बटोरी। अर्जुन के गिटार वादन और अनुष्का के घूमर नृत्य को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया। पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह ने अपने म्यूजिक एल्बम के चर्चित गीत प्रस्तुत किए। टीडी कॉलेज के संगीत शिक्षक डॉ. नरेंद्र पाठक ने भी गीतों के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों में असीम संभावनाएं और कलात्मक क्षमता है। शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि संगीत, साहित्य, नृत्य और लोक संस्कृति विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को संवेदनशील, सृजनशील और आत्मविश्वासी बनाते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय में ऐसे आयोजन जारी रहेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, मेहनत और संस्कारों को अपनी पहचान बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख और छात्रा ईशिका सिंह ने किया। ईशिका के शायराना अंदाज ने प्रस्तुतियों के बीच कार्यक्रम को रोचक बनाए रखा। इस अवसर पर प्रो.अविनाश, प्रो.प्रमोद कुमार यादव, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो.मनोज मिश्र, डॉ.अन्नू त्यागी, रजनीश सिंह और डॉ. कृष्णा सिंह समेत शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

जौनपुर धारा

# जौनपुर प्रीमियर लीग में सदर, केराकत, बदलापुर और पीयू की जीत

## दीपक यादव ने हैट्रिक समेत झटके पांच विकेट, चार मुकाबलों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हुए सम्मानित

जौनपुर धारा

**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार को जौनपुर प्रीमियर लीग के तहत चार मुकाबले खेले गए। इनमें जौनपुर सदर, केराकत, बदलापुर और पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीमों ने जीत दर्ज की। दिन का सबसे शानदार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के गेंदबाज दीपक यादव का रहा, जिन्होंने हैट्रिक समेत पांच विकेट लेकर मछलीशहर की टीम को सस्ते में समेट दिया।

पहले मुकाबले में जौनपुर सदर ने मल्हनी को 46 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सदर की टीम ने पांच ओवर में एक विकेट पर 69 रन बनाए। दिव्य प्रकाश सिंह ने 19 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 46 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मल्हनी की टीम तीन विकेट पर 23 रन ही बना सकी।

दिव्य प्रकाश सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मुकाबले में केराकत ने जफराबाद को 27 रन से पराजित किया। केराकत ने दस ओवर में छह विकेट पर 79 रन बनाए। आयुष यादव ने 21 रन का योगदान दिया। जवाब में जफराबाद की टीम दस ओवर में 52 रन पर ऑलआउट हो गई। शुभम मिश्रा, सुमित यादव और सूर्यश सिंह यादव ने दो-दो विकेट लिए। हरफनमौला प्रदर्शन के लिए शुभम मिश्रा को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

तीसरे मुकाबले में बदलापुर ने मुंगराबादशाहपुर को 64 रन से शिकस्त दी। बदलापुर ने सात ओवर में तीन विकेट पर 84 रन बनाए। मनीष यादव ने 26 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 58 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंगराबादशाहपुर की टीम दबाव में नजर आई।

अंकुल यादव ने तीन और मनीष यादव ने एक विकेट लिया। अर्धशतक और एक विकेट के लिए मनीष यादव को मैन ऑफ द मैच चुना गया। चौथे मुकाबले में पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने मछलीशहर को नौ विकेट से हराया। मछलीशहर की टीम सात ओवर में नौ विकेट पर 32 रन ही बना सकी। विश्वविद्यालय के दीपक यादव ने दो ओवर में एक मेडन डालते हुए पांच रन देकर पांच विकेट झटके और हैट्रिक भी पूरी की। विश्वविद्यालय की टीम ने 33 रन का लक्ष्य तीन ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। दीपक यादव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैचों के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह, शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ. राहुल सिंह और छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद यादव ने चारों मुकाबलों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को सम्मानित किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन, अनुशासन और खेल भावना की सराहना की।

जौनपुर धारा

# ड्रोन तकनीक में दक्ष होंगे पीयू के विद्यार्थी, पांच दिवसीय बूटकैंप शुरू

जौनपुर धारा

**जौनपुर।** वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक का व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए सोमवार से पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप शुरू हुआ। सी-डैक, नोएडा के सहयोग से आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 से 16 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) और सेंसर के अनुप्रयोगों की जानकारी दी जाएगी।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण में उत्साह और गंभीरता के साथ भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बूटकैंप में विद्यार्थियों को ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाने की क्षमता विकसित होगी। इससे जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे खेल आयोजनों की ड्रोन के माध्यम से व्यापक कवरेज भी संभव हो सकेगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के समापन पर परीक्षा होगी और सफल विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। सी-डैक, नोएडा की साइंटिस्ट 'एफ' डॉ. कल्पना जौहरी ने ड्रोन की कार्यप्रणाली और उड़ान के दौरान ऊर्जा की खपत कम करने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सही उड़ान योजना, सेंसर के प्रभावी इस्तेमाल और ऊर्जा-कुशल तकनीकों से ड्रोन की स्थिरता, दिशा नियंत्रण और उड़ान अवधि बेहतर बनाई जा सकती है। डॉ.ज्योति पी. सिंह ने बूटकैंप को विशेष प्रशिक्षण शिविर की तरह बताते हुए कहा कि इसमें अनुशासन, नियमित अभ्यास और व्यावहारिक कौशल पर विशेष जोर दिया जाता है। कार्यक्रम में डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. दिवेंदु मिश्रा, सुधीर सिंह, पूनम सोनकर, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजय मौर्य, जया शुक्ल और डॉ. नवीन चौरसिया समेत अन्य समिति सदस्यों ने सहयोग किया।



पब्लिक की लहर

# ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे पीयू के विद्यार्थी: कुलपति

## सेंसर, सही योजना से बढ़ेगी ड्रोन की उड़ान अवधि: डॉ. कल्पना जौहरी




पब्लिक की लहर

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी–डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साह और मनोयोग के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे और जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे मैचों का ड्रोन से व्यापक कवरेज संभव होगा। उन्होंने बताया कि बूटकैंप के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी और सफल विद्यार्थियों को ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

सी–डैक, नोएडा की साइंटिस्ट 'एफ' डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को ड्रोन की उड़ान से जुड़ी तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने ड्रोन के उड़ने की कार्यप्रणाली तथा उड़ान के दौरान ऊर्जा की खपत घटाने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. जौहरी ने सरल भाषा में समझाया कि ड्रोन की स्थिर उड़ान, दिशा नियंत्रण और संतुलन कैसे बनाए रखा जाता है। उन्होंने बताया कि सही उड़ान योजना, सेंसर का प्रभावी उपयोग और ऊर्जा–कुशल तकनीकों के माध्यम से ड्रोन की उड़ान अवधि बढ़ाई जा सकती है।

डॉ. ज्योति पी. सिंह ने बताया कि बूटकैंप सेना के विशेष प्रशिक्षण शिविर की भांति होता है, जिसमें अनुशासन, नियमित अभ्यास और प्रायोगिक कौशल पर विशेष बल दिया जाता है। कार्यक्रम में डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. दिवेन्दु मिश्रा, सुधीर सिंह, पूनम सोनकर, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजय मौर्य, जया शुक्ल डॉ. नवीन चौरसिया सहित अन्य समिति सदस्यों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

उत्तर शक्ति

# ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे पीयू के विद्यार्थी: कुलपति

## सेंसर, सही योजना से बढ़ेगी ड्रोन की उड़ान अवधिः डॉ.कल्पना जौहरी

◆ विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साह और मनोयोग के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे और जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे मैचों का ड्रोन से व्यापक कवरेज संभव होगा। उन्होंने बताया कि बूटकैंप के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी और सफल विद्यार्थियों को ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

सी-डैक, नोएडा की साइंटिस्ट 'एफ' डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को ड्रोन की उड़ान से जुड़ी तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने ड्रोन के उड़ने की कार्यप्रणाली तथा उड़ान के दौरान ऊर्जा की खपत घटाने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।




डॉ. जौहरी ने सरल भाषा में समझाया कि ड्रोन की स्थिर उड़ान, दिशा नियंत्रण और संतुलन कैसे बनाए रखा जाता है। उन्होंने बताया कि सही उड़ान योजना, सेंसर का प्रभावी उपयोग और ऊर्जा-कुशल तकनीकों के माध्यम से ड्रोन की उड़ान अवधि बढ़ाई जा सकती है।

डॉ. ज्योति पी. सिंह ने बताया कि बूटकैंप सेना के विशेष प्रशिक्षण शिविर की भांति होता है, जिसमें अनुशासन, नियमित अभ्यास और प्रायोगिक कौशल पर विशेष बल दिया जाता है। कार्यक्रम में डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. दिवेन्दु मिश्रा, सुधीर सिंह, पूनम सोनकर, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजय मौर्य, जया शुक्ल डॉ. नवीन चौरसिया सहित अन्य समिति सदस्यों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

उत्तर शक्ति

# पीयू की सांस्कृतिक संध्या में सुर-ताल और नृत्य का संगम, विद्यार्थियों ने मोहा मन

## कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने कहा-विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के लिए मिलेंगे बेहतर मंच

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम आयोजित सांस्कृतिक संध्या में संगीत, नृत्य और भक्ति की अनूठी छटा देखने को मिली। नवरात्र के पावन अवसर पर देवी गीत की प्रस्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने गायन, गिटार वादन और लोकनृत्य के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।



विश्वास की गीत प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावविभोर किया, वहीं अर्जुन के गिटार वादन और अनुष्का के घूमर नृत्य को खूब सराहना मिली। पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह और टीडी कॉलेज के संगीत शिक्षक डॉ. नरेंद्र पाठक की प्रस्तुतियों ने भी समां बांध दिया।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना भी है। संगीत, साहित्य और कला विद्यार्थियों में रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को मंच देने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर करता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख और ईशिवका सिंह ने किया। इस मौके पर प्रो. अविनाश, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. अन्नू त्यागी, रजनीश सिंह और डॉ. कृष्णा सिंह समेत शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

अमर भारती

# ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे पीयू के विद्यार्थी: कुलपति

- सेंसर, सही योजना से बढ़ेगी ड्रोन की उड़ान अवधि: डॉ. कल्पना
- विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप शुरू




अमर भारती ब्यूरो

**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैंप का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साह और मनोयोग के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे और जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे मैचों का ड्रोन से व्यापक कवरेज संभव होगा। उन्होंने बताया कि बूटकैंप के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी और सफल विद्यार्थियों को ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

सी-डैक, नोएडा की साइंटिस्ट 'एफ' डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को ड्रोन की उड़ान से जुड़ी तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने ड्रोन के उड़ने की कार्यप्रणाली तथा उड़ान के दौरान ऊर्जा की खपत घटाने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. जौहरी ने सरल भाषा में समझाया कि ड्रोन की स्थिर उड़ान, दिशा नियंत्रण और संतुलन कैसे बनाए रखा जाता है। उन्होंने बताया कि सही उड़ान योजना, सेंसर का प्रभावी उपयोग और ऊर्जा-कुशल तकनीकों के माध्यम से ड्रोन की उड़ान अवधि बढ़ाई जा सकती है।

डॉ. ज्योति पी. सिंह ने बताया कि बूटकैंप सेना के विशेष प्रशिक्षण शिविर की भांति होता है, जिसमें अनुशासन, नियमित अभ्यास और प्रायोगिक कौशल पर विशेष बल दिया जाता है। कार्यक्रम में डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. दिवेन्दु मिश्रा, सुधीर सिंह, पूनम सोनकर, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजय मौर्य, जया शुक्ल डॉ. नवीन चौरसिया सहित अन्य समिति सदस्यों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

अमर विचारधारा

# ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे विवि के विद्यार्थी: कुलपति




**जौनपुर (अमर विचार धारा)।** पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा।कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साह और मनोयोग के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे और जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे मैचों का ड्रोन से व्यापक कवरेज संभव होगा। उन्होंने बताया कि बूटकैंप के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी और सफल विद्यार्थियों को ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। डॉ. ज्योति पी. सिंह ने बताया कि बूटकैंप सेना के विशेष प्रशिक्षण शिविर की भांति होता है, जिसमें अनुशासन, नियमित अभ्यास और प्रायोगिक कौशल पर विशेष बल दिया जाता है।

अमर विचारधारा

# सुर, ताल के साथ सांस्कृतिक संध्या ने बिखेरे रंग

**जौनपुर (अमर विचार धारा)।** पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम सुरों, तालों और अभिनय की अनूठी महफिल सजी। नवरात्र के पावन प्रारंभ के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या ने परिसर को भक्ति, संगीत और उत्सव के रंगों से भर दिया। देवी गीतों की मधुर प्रस्तुति से शुरू हुए कार्यक्रम ने उपस्थित श्रोताओं को आध्यात्मिक वातावरण में बांध लिया।कार्यक्रम की शुरूआत में देवी गीत की प्रस्तुति ने नवरात्र के पहले दिन की पवित्रता को और गहराई दी। इसके बाद विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गायन, वादन, लोकनृत्य तथा एकल एवं सामूहिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा। विश्वास के गीत ह्यतू ही मुझको बता देह्ल और ह्यचाहूं मैं या नाह्ल की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, जबकि अर्जुन के गिटार वादन और अनुष्का के आकर्षक घूमर नृत्य पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं। कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह



ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में असीम संभावनाएं और कलात्मक क्षमता मौजूद है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होतीय संगीत, साहित्य, नृत्य और लोक संस्कृति विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को संवेदनशील, सृजनात्मक और आत्मविश्वासी बनाते हैं। सांस्कृतिक संध्या का विशेष आकर्षण पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह की प्रस्तुति रही। उन्होंने अपने म्यूजिक एल्बम के चर्चित गीतों को गाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। संचालन सलमान शेख और छात्रा ईश्विका सिंह ने किया। ईश्विका सिंह के शायराना अंदाज में किए गए संचालन ने कार्यक्रम में जोश और सौंदर्य का अनूठा संगम भर दिया। उनके शब्दों ने प्रस्तुतियों के बीच सेतु का काम किया और दर्शकों का उत्साह बना रहा।

पहल टुडे

# सुर, ताल के साथ पीयू में सांस्कृतिक संध्या ने बिखेरे रंग





पहल टुडे

## विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को मंच देने का संकल्पः प्रो. राकेश कुमार सिंह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम सुरों, तालों और अभिनय की अनूठी महफिल सजी। नवरात्र के पावन प्रारंभ के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या ने परिसर को भक्ति, संगीत और उत्सव के रंगों से भर दिया। देवी गीतों की मधुर प्रस्तुति से शुरू हुए कार्यक्रम ने उपस्थित श्रोताओं को आध्यात्मिक वातावरण में बांध लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में देवी गीत की प्रस्तुति ने नवरात्र के पहले दिन की पवित्रता को और गहराई दी। इसके बाद विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गायन, वादन, लोकनृत्य तथा एकल एवं सामूहिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा।

विश्वास के गीत तू ही मुझको बता दे और चाहूं मैं या ना की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, जबकि अर्जुन के गिटार वादन और अनुष्का के आकर्षक घूमर नृत्य पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाई। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के कलात्मक पक्ष को निखारने और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ऐसे आयोजन निरंतर करता रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिभा के साथ-साथ अनुशासन, मेहनत और संस्कारों को अपनी पहचान बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख और छात्रा ईश्विका सिंह ने किया। ईश्विका सिंह के शायराना अंदाज में किए गए संचालन ने कार्यक्रम में जोश और सौंदर्य का अनूठा संगम भर दिया। उनके शब्दों ने प्रस्तुतियों के बीच सेतु का काम किया और दर्शकों का उत्साह बना रहा। कार्यक्रम के दौरान एकलव्य स्टेडियम में तालियों की गूंज बनी रही। विद्यार्थियों की ऊर्जा, अतिथियों की मधुर प्रस्तुतियों और नवरात्र की भक्ति-भावना ने इस सांस्कृतिक संध्या को एक स्मरणीय उत्सव बना दिया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. अन्नू त्यागी, रजनीश सिंह तथा डॉ. कृष्णा सिंह समेत भारी संख्या में शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, परिसरवासी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पहल टुडे

# ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे पीयू के विद्यार्थी: कुलपति

पहल टुडे





जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय स्वयान बूटकैंप का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साह और मनोयोग के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैंप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि बूटकैंप के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी और सफल विद्यार्थियों को ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। सी-डैक, नोएडा की साइंटिस्ट एफ डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को ड्रोन की उड़ान से जुड़ी तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने ड्रोन के उड़ने की कार्यप्रणाली तथा उड़ान के दौरान ऊर्जा की खपत घटाने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. जौहरी ने सरल भाषा में समझाया कि ड्रोन की स्थिर उड़ान, दिशा नियंत्रण और संतुलन कैसे बनाए रखा जाता है। उन्होंने बताया कि सही उड़ान योजना, सेंसर का प्रभावी उपयोग और ऊर्जा-कुशल तकनीकों के माध्यम से ड्रोन की उड़ान अवधि बढ़ाई जा सकती है। डॉ. ज्योति पी. सिंह ने बताया कि बूटकैंप सेना के विशेष प्रशिक्षण शिविर की भांति होता है, जिसमें अनुशासन, नियमित अभ्यास और प्रायोगिक कौशल पर विशेष बल दिया जाता है। कार्यक्रम में डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. दिवेन्दु मिश्रा, सुधीर सिंह, पूनम सोनकर, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजय मौर्य, जया शुक्ल डॉ. नवीन चौरसिया सहित अन्य समिति सदस्यों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।